

## गोबरधन योजना

**स्रोत: डाउन टू अर्थ**

वर्जित एवं पर्यावरण केंद्र (CSE) ने [गोबरधन पोर्टल](#) पर परचालनरत [संपीडित बायोगैस \(CBG\) संयंत्र](#) के आँकड़ों में पारदर्शिता की कमी को उजागर किया है।

- **संपीडित बायोगैस (CBG):** CBG एक [नवीकरणीय ऊर्जा](#) स्रोत है जो **कृषि अवशेष**, मवेशियों के गोबर, नगरपालिका के ठोस अपशिष्ट और सीवेज मल सहित जैविक अपशिष्ट से उत्पादित होता है।
  - यह [जीवाश्म ईंधनों](#) के स्थान पर कृषि एवं पशु अपशिष्टों का प्रबंधन करने तथा खुले में जलाने को कम करने में मदद करता है।
- **गोबरधन योजना: गैलवनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एगरो रिसोर्सेज धन (GOBARdhan)** पहल का ध्यान चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये [अपशिष्ट को धन](#) में परिवर्तित करने पर केंद्रित है।
  - इसका उद्देश्य सतत विकास को बढ़ावा देने के लिये [बायोगैस/संपीडित बायोगैस \(CBG\)/Bio-CNG संयंत्रों](#) के लिये एक मज़बूत पारस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।
  - [जल शक्ति मंत्रालय](#) का पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) **नोडल विभाग** के रूप में कार्य करता है।
- **महत्त्वपूर्ण मुद्दे:**
  - **धीमी स्वीकृति:** दिसंबर 2024 तक केवल **115 CBG संयंत्र कार्यात्मक** हैं, जबकि वर्ष 2030 तक 5,000 का लक्ष्य है।
  - **सूचना का अभाव:** गोबरधन पोर्टल पर वशिष्ट CBG संयंत्रों द्वारा उपयोग किये जाने वाले फीडस्टॉक्स के विवरण का अभाव है।
  - **परचालन पारदर्शिता:** पोर्टल में **परचालन संयंत्रों के लिये** अद्यतन जानकारी वाले अनुभाग का अभाव है, जिससे नीति निर्माताओं के लिये उद्यमियों की चुनौतियों का समाधान करना कठिन हो जाता है।

और पढ़ें: [Bio-CNG के माध्यम से भारत का हरति भविष्य](#)